

विकास कार्यों के बाद मानकों के अनुरूप रेस्टोरेशन नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

- बारिश के बाद सड़कों के गड्डे भरने में तेजी, निगम आयुक्त ने मांगी कार्ययोजना

भोपाल, यश भारत ।

बारिश के बाद शहर की सड़कों पर बने गड्डे अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। कई प्रमुख मार्गों के साथ ही कॉलोनीयों और अंदरूनी सड़कों पर गड्डों के कारण वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। इसे देखते हुए नगर निगम ने गड्डों को भरने और सड़कों की मरम्मत का काम तेज करने के निर्देश दिए हैं। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने निगम मुख्यालय अटल भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर सड़कों की स्थिति और रेस्टोरेशन कार्यों की समीक्षा की। आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि बारिश समाप्त होने के बाद मुख्य मार्गों सहित अन्य सड़कों पर हुए गड्डों को प्राथमिकता से भरा जाए। जहां



सड़क की मरम्मत जरूरी है, वहां निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुसार काम कराया जाए। उन्होंने सीमेंट कांक्रीट की मुख्य सड़कों के साथ 9 मीटर और 7.5 मीटर

से अधिक चौड़ी सड़कों की मरम्मत के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जलप्रदाय और सीवेज

लाइन बिछाने के बाद सड़कों के रेस्टोरेशन की स्थिति भी जांची गई। आयुक्त ने कहा कि पाइपलाइन या अन्य विकास कार्यों के बाद सड़क को पहले जैसी स्थिति में लाना संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है। अमृत योजना के तहत किए गए कार्यों के बाद हुए रेस्टोरेशन का निरीक्षण यांत्रिक विभाग के इंजीनियरों से कराने के निर्देश दिए गए। काम चलने के दौरान नागरिकों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए खुले गड्डों को अस्थायी रूप से भरकर समतलीकरण कराने को भी कहा गया।

निगम आयुक्त ने सीवेज लाइनों के मेनहोल को जरूरत के अनुसार शिफ्ट करने तथा अमृत योजना के प्रस्तावित कार्य जल्द

शुरू करने के निर्देश दिए। सड़कों की मरम्मत, रेस्टोरेशन और अन्य कार्यों की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाने को भी कहा गया, ताकि लोगों को सड़क पर चल रहे काम की जानकारी मिल सके। बैठक में निगम के पुराने भवनों का रेनोवेशन कर उन्हें बेहतर स्वरूप देने और आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मेहनेजर सड़कों, पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों के व्यवस्थीकरण और सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। सभी कार्यों की विस्तृत योजना और अनुमानित लागत सहित प्रस्ताव शुरुवार तक प्रस्तुत करने को कहा गया।



पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर व्याख्यानमाला आयोजित

बनखेड़ी, यश भारत ।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में शासकीय महाविद्यालय बनखेड़ी के सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य से

अवगत कराया। मुख्य वक्ता राजकुमार पटेल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका एकात्मवाद का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और प्रत्येक वर्ग के विकास की चिंता करना ही एकात्मवाद के दर्शन का मूल भाव है। कार्यक्रम में मां नर्मदा ग्राम विकास

समिति अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद मेहर, तुलसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति अध्यक्ष तुलसीराम कहार, विलेजलाइफ वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष भारीरथ कुशवाहा, परामर्शदाता मकरन सिंह कुशवाहा, गोबिंद पटेल, श्रीमंत पटेल, रीतेश कुशवाहा, ज्योति बाथरे सहित एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन मौजूद रहे। संचालन मकरन सिंह कुशवाहा ने किया।

अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाई, आठ ठेले जब््त

भोपाल, यश भारत ।

नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक अमले ने सोमवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई कर सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण हटाए। इस दौरान ठेले, गुमठी, पान पॉलर, काउंटर, बोर्ड, स्टूल-कुर्सियां, दुकानों के बाहर रखा सामान और निर्माण सामग्री हटाई गई। आठ ठेले जब््त किए गए। 1100 क्वार्टर, बिडल मार्केट, सात नंबर स्टॉप, नेहरू नगर, माता मंदिर, न्यू मार्केट, एमपी नगर जोन-2, आईएसबीटी, गयसेन रोड, अवधपुरी, अशोका गार्डन, पुष्पा नगर, रेलवे स्टेशन, रॉयल मार्केट, लालघाटी और बैरागढ़ सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई हुई। बैरागढ़-भैंसाखेड़ी में दो अस्थाई छप्पर, नेहरू नगर में लोहे की जालियां और गौरागांव में सीवेज लाइन पर बनी बाउंड्रीवाल हटाई गई। अवधपुरी में रास्ते में बाधक वाहन व निर्माण सामग्री भी हटाई गई।



बारिश और जलभराव के कारण 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक होने वाली पीईटी टली

भोपाल, यश भारत । लगातार बारिश और रेलवे स्टैडियम ग्राउंड, जबलपुर में जलभराव के कारण गुप-डी भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) स्थगित कर दी गई है। लगातार बारिश के चलते परीक्षा मैदान में पानी और कीचड़ जमा हो गया है। इससे दौड़ सहित शारीरिक दक्षता परीक्षा कराना असुरक्षित हो गया था। अभ्यर्थियों की सुरक्षा और सभी उम्मीदवारों को समान अवसर देने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने परीक्षा को अग्रिम आदेश तक स्थगित किया है। रेलवे के अनुसार मौसम सामान्य होने के बाद नई तारीखों की घोषणा अलाप से की जाएगी। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और परीक्षा संबंधी ताजा जानकारी के लिए पश्चिम मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर रखें।

किसानों की फार्मर आईडी बनाने और लंबित शिकायतों के निराकरण पर जोर

गांव-वार्ड में मिलेंगी सरकारी सेवाएं



भोपाल, यश भारत ।

आम लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए 3 और 4 अक्टूबर को 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' आयोजित किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड और नगरीय क्षेत्र में वार्ड-जोन स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इनमें पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ मौके पर सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में समय-

सीमा प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अभियान की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को शिविरों में नागरिकों को पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैरसिया, हुजूर और कोलार क्षेत्र में किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। शिविरों में बैंकों की सहभागिता से पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाने तथा कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर रहेगा। पैक्स में पात्र किसानों की सदस्यता बढ़ाने और के सीसी सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। रबी सीजन के लिए किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने पर भी ध्यान रहेगा।

सूरज नगर आंगनवाड़ी केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम

सही पोषण से स्वस्थ परिवार का संदेश

भोपाल, यश भारत ।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग और मुस्कान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सूरज नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 654 में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सही पोषण-देश रोशन अभियान के तहत महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को संतुलित आहार, स्वास्थ्य एवं कुपोषण से बचाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में करीब 80 लोगों ने हिस्सा लिया।

पोषण मटका और विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों के माध्यम से स्थानीय



एवं पौष्टिक भोजन को दैनिक आहार में शामिल करने का महत्व

समझाया गया। गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

वहीं शासकीय योजनाओं का लाभ ले रहे हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को कुपोषण मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को श्रीफल व शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन फलों के वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर पार्षद रुक्मणी उडके, जोन अध्यक्ष अनीता कनेजा, सीडीपीओ अखिलेश चतुर्वेदी सहित विभागीय कर्मचारी और मुस्कान संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

खुले में प्लास्टिक कचरा रखने पर 10 हजार का जुर्माना

भोपाल, यश भारत । शहर में गंदगी फैलाने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की। वार्ड 73 के 80 फीट मेन रोड पर प्लास्टिक एवं कबाड़ का कारोबार करने वाले कारखाने में खुले में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा मिला। निगम ने कारखाना संचालक समी उल्लाह सिद्दीकी से 10 हजार रुपए जुर्माना वसूला। वहीं वार्ड 65 की मीनाल रेसीडेंसी में तंदूर जलाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो हजार रुपए का सॉफ्ट फाइन किया गया। दोनों मामलों में निगम ने कुल 12 हजार रुपए की राशि वसूल की। निगम ने साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करने की अपील की है।

अजमेर-रांची के बीच चलेगी 9 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन

भोपाल, यश भारत ।

त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अजमेर और रांची के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के गुना स्टेशन से होकर गुजरेगी, जिससे गुना और आसपास के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 09619 अजमेर-रांची पूजा स्पेशल प्रत्येक शुरुवार को 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक चलेगी। अजमेर से रात 11:05 बजे रवाना होकर ट्रेन अगले दिन सुबह 9:10 बजे गुना पहुंचेगी और रविवार सुबह 7:30 बजे रांची पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09620



रांची-अजमेर स्पेशल प्रत्येक रविवार को 4 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। रांची से सुबह 10:50 बजे रवाना होकर सोमवार सुबह 7:25 बजे गुना और शाम 6:35 बजे अजमेर पहुंचेगी।

दोनों दिशाओं में ट्रेन के 9-9 फेरे होंगे। ट्रेन में कुल 18 आईसीएफ कोच रहेंगे। इनमें दो वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, पांच वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, पांच स्लीपर, दो सामान्य श्रेणी और दो एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

सड़कों पर घूम रहे 35 पशु पकड़े, पांच घायल पशु आसरा भेजे

भोपाल, यश भारत ।

शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में घूमने वाले पशुओं के खिलाफ नगर निगम ने अभियान चलाया। सोमवार को निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा ने विभिन्न क्षेत्रों से 35 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा। वहीं बीमार और घायल पांच पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजा गया। हॉका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया। शांति नगर, बरखेड़ा पठानी, कटारा, 11 मौल, जाटखेड़ी, बागमुगलिया, बागसेवनिया, अटलपथ, कोलार-चूना भट्टी, लिंक रोड, हरीगंगा नगर, इंडस टाउन, नर्मदापुरम और लालघाटी सहित अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। अन्ना नगर कांजी हाउस से 20 पशुओं को नंदनी गौशाला भेजा गया। बरखेड़ा पठानी में डेयरी स्थल पर गंदगी मिलने पर संचालक पर एक हजार रुपए का सॉफ्ट फाइन किया गया।



मेरी कहानी, मेरी सफलता में महिलाओं ने साझा किए अनुभव

भोपाल, यश भारत। सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा के तृतीय दिवस पंचशील स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 749 में लाभार्थी संवाद हुआ। मेरी कहानी, मेरी सफलता कार्यक्रम में छह महिलाओं ने शासकीय योजनाओं से मिले लाभ और जीवन में आए बदलावों के अनुभव साझा किए। लाभार्थी महिलाओं के अनुभवों पर तैयार वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। माताओं और बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य तथा महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों को फल और मिठाई वितरित की गई तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं का स्वागत किया गया।

रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ पानी और सफाई व्यवस्था की निगरानी तेज

भोपाल, यश भारत ।

यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के साथ रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई बनाए रखने के लिए भोपाल मंडल ने निगरानी बढ़ा दी है। स्टेशनों पर पेयजल नलों, वाटर कूलर, टर्कियों और अन्य जलापूर्ति व्यवस्थाओं की नियमित जांच की जा रही है। प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, पेयजल स्थलों सहित अन्य यात्री क्षेत्रों में निर्धारित अंतराल पर सफाई कराई जा रही है। जलभराव, गंदगी और कचरे की समस्या को रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे की ओर से यात्रियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों से पेयजल का सुरक्षित उपयोग करने, शौचालयों को साफ रखने और कचरा निर्धारित



डस्टबिन में डालने की अपील की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने यात्रियों से स्वच्छ स्टेशन और स्वच्छ जल

व्यवस्था बनाए रखने में रेलवे का सहयोग करने तथा समस्या होने पर अधिकृत शिकायत माध्यमों से सूचना देने की अपील की है।

जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा ने प्रदेश में की सेवा गतिविधियां

भोपाल, यश भारत। भाजपा युवा मोर्चा की जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर के विभिन्न मार्गों से मध्यप्रदेश पहुंची। यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सेवा यात्रियों के साथ पौधारोपण, जनसंवाद और अन्य सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। सिवनी, बालाघाट, रायसेन, दमोह, गुना, राजगढ़ और सीहोर सहित कई जिलों में यात्रा के पड़ाव हुए। विद्यार्थियों से संवाद कर सेवा और जनभागीदारी का संदेश दिया गया तथा कई स्थानों पर यात्रा का स्वागत किया गया। आयोजकों के अनुसार यात्रा का उद्देश्य सेवा, सम्पर्ण और जनसरोकार की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

यूपीआई पर शुल्क- डिजिटल भारत की राह में नया सवाल

डिजिटल भुगतान को आसान बनाना होे तो लोगों को प्रोत्साहित करना पड़ता है, हतोत्साहित नहीं। यूपीआई ने देश के बाजारों में भुगतान का तरीका बदल दिया है। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक, नकदी की जगह मोबाइल से भुगतान अब रोजमर्रा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे समय में 2 हजार रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क ने एक असहज सवाल खड़ा कर दिया है—जिस व्यवस्था को देश ने सुविधा और पारदर्शिता के लिए अपनाया, उसकी अतिरिक्त कीमत आखिर कौन चुकाएगा? मध्य प्रदेश के कई शहरों में व्यापारियों का नो-यूपीआई डे इसी बेचैनी का संकेत है। भोपाल में 2 हजार रुपए से अधिक का भुगतान स्वीकार न करने से ग्राहक को वापस लौटना पड़ा। इंदौर में प्रदर्शन हुए, ग्वालियर में त्त्रकूकोड पर काली पड़ियां लगाई गईं और जबलपुर में लोगों से विरोध के समर्थन की अपील की गई। यह दृश्य महज विरोध-प्रदर्शन का दृश्य नहीं है; यह उस तनाव को सामने लाता है जो डिजिटल भुगतान और उसकी लागत के बीच पैदा हो रहा है। व्यापारियों की दलील को भी खारिज नहीं किया जा सकता। किसी एक लेनदेन पर कुछ रुपये का शुल्क मामूली लग सकता है, लेकिन रोजाना सैकड़ों लेनदेन करने वाले कार्बोबारी के लिए यही छोटी-छोटी रकम महीने के अंत में बड़ा खर्च बन सकती है। खासकर थोक कारोबार में, जहां 2 हजार रुपए से अधिक के लेनदेन सामान्य हैं, इसका असर और व्यापक हो सकता है। लेकिन असली सवाल इससे भी बड़ा है। क्या किसी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की लागत का बोझ इस तरह तय होना चाहिए कि अंततः उसका असर वस्तुओं की कीमत पर पड़े? यदि व्यापारी अतिरिक्त लागत उपभोक्ता से वसूलते हैं तो महंगाई बढ़ने की आशंका पैदा होगी। यदि व्यापारी इसे खुद वहन करते हैं तो उनके मुनाफे पर असर पड़ेगा। और यदि वे बड़े भुगतान पर यूपीआई लेना ही बंद कर दें, तो डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की वर्षों की कोशिश कमजोर पड़ सकती है। यहां सरकार और व्यापारियों, दोनों के लिए आत्ममंथन जरूरी है। व्यापारियों को भी यह स्पष्ट करना होगा कि शुल्क का वास्तविक बोझ कितना है और वह किस कारोबार पर कितना पड़ेगा। दूसरी ओर, नीति बनाने वालों को यह बताना चाहिए कि शुल्क लगाने की जरूरत क्यों है, उससे प्राप्त राशि का उपयोग कैसे होगा और छोटे कारोबारियों पर इसका प्रभाव कम करने के क्या उपाय होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात है—पारदर्शिता। किसी भी शुल्क को लेकर अफवाह, आशंका या राजनीतिक नारेबाजी से ज्यादा जरूरी है उसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव का स्पष्ट आकलन। यदि शुल्क जरूरी है तो उसका तर्क सार्वजनिक होना चाहिए। यदि उसमें सुधार की गुंजाइश है तो सरकार को व्यापार जगत से बातचीत करनी चाहिए। डिजिटल भारत केवल त्त्रकूकोड लगाने से नहीं बनेगा। डिजिटल भारत तब बनेगा जब ग्राहक बिना झिझक भुगतान कर सके, व्यापारी बिना अतिरिक्त बोझ के उसे स्वीकार कर सके और पूरी व्यवस्था पर दोनों का भरोसा कायम रहे। यूपीआई ने नकदी की निभरता कम की है। अब चुनौती यह है कि उसकी लागत ऐसी न हो जाए कि बाजार फिर नकदी की ओर लौटने लगे। डिजिटल भुगतान को मजबूत करना है तो शुल्क की नीति भी उतनी ही समझदारी से बनानी होगी, जितनी तेजी से डिजिटल भुगतान का विस्तार हुआ है। क्योंकि सवाल सिर्फ 0.4 प्रतिशत का नहीं है। सवाल उस भरोसे का है, जिस पर भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था खड़ी हुई है।



आज का राशिफल पंचांग:- 29 सितंबर 2026 दिन-मंगलवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	
मेष धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकृत मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	वृष घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें
मिथुन रुपय-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी सेवाद-खिवाद होने की आशंका है।	कर्क व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
सिंह साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अवॉर्डिटी मिल सकती है।	कन्या घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे
तुला आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।	वृश्चिक सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ाए जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
धनु दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे	मकर अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
कुंभ बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	मीन व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

विचार प्रवाह

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

(विश्व हृदय दिवस पर विशेष)

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को सकारा कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

(29 सितंबर विश्व मूक सिनेमा दिवस)

आज का सिनेमा आधुनिक तकनीक, डॉल्बी साउंड और भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स के शोर से भरा हुआ है। ऐसे दौर में क्या हम उस सिनेमा की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ न संवाद थे, न बैकग्राउंड स्कोर और न ही बोलते चिह्नते हुए किरदार? आज 29 सितंबर को विश्व मूक फिल्म दिवस है। यह दिन सिनेमा के इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अभिनय की उस शुद्धतम कला को समझने का मौका है, जहाँ संवादों की अभिव्यक्ति के बिना सिर्फ आंखों और चेहरों से कहानियां पढ़ें पर उतरती थीं। सिनेमा का एक बुनियादी सच यह है कि मेथड ऐक्टिंग के लिए आवाज की जरूरत कभी नहीं रही। संवाद केवल कहानी आगे बढ़ाने का जरिया हैं, लेकिन असल अभिनय सीधे दर्शक की आत्मा को छूता है। इसका सबसे बड़ा और कालजयी उदाहरण गुलज़ार की फिल्म कोशिश है। इस फिल्म में संजीव कुमार और जया बच्चन ने एक मूक-बंधर कपल की भूमिका निभाई थी। पूरी फिल्म में दोनों ने अपनी जुबां से एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अपनी आंखों के उहराव, हाथों के कोमल इशारों और चेहरे की मर्मस्पर्शी खामोशी से दर्शकों को भीतर तक रला दिया। वह फिल्म इस बात की तस्दीक करती है कि जब भावनाएं गहरी होती हैं, तो शब्दों की जरूरत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है।

यदि हम सिनेमा का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि सबसे बड़े अभिनेता वही हुए हैं जिनकी खामोशी और भाव-भंगिमाएं उनके संवादों से ज्यादा गुंजती थीं। ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार इसका साक्षात् उदाहरण थे। उनके



बोले गए डायलॉग्स जितने मशहूर हैं, उससे कहीं ज्यादा प्रभावशाली उनके चेहरे का वो खालीपन और उदासी थी जो कैमरे के क्लोज-अप में नजर आती थी। यही बात इरफान खान पर भी लागू होती है। इरफान स्क्रीन पर बिना कुछ बोले सिर्फ अपनी गहरी, रहस्यमयी आंखों और चेहरे के धीमे से बदलते हाव-भाव से पूरे दृश्य का मिजाज बदल देने का हुनर जानते थे। नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी ने भी स्थापित किया कि गुस्सा या बेबसी शब्दों में नहीं, बल्कि चेहरे की तनी हुई मांसपेशियों और तेज, स्थिर नजरों में दिखाई देती है। आज के दौर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का स्क्रीन प्रेजेंस भी इसी शारीरिक अभिनय और बाँड़ी लैंग्वेज की ताकत को बयां करता है।

यही जादू चालीं चैपलिन ने बिखेरा था। उन्होंने अपनी मूक कामेडी और चेहरे की अनूठी भाव-भंगिमाओं से

तर्पण से पितरों को उनका अंश कैसे प्राप्त होता है अर्थात श्राद्ध में अर्पित सामग्री पितरों को कैसे मिलती है?

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्
श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए दान का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्ध कर्म पितृव्रण चुकाने का सरल व सहज माँग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितराण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। श्राद्ध कर्म से व्यक्ति केवल अपने सगे-सम्बन्धियों को ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा से लेकर तृणपर्यन्त सभी प्राणियों व जगत को तुस करता है। पितरों की पूजा को साक्षात् विष्णुपूजा ही माना गया है। श्राद्ध को वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है ? प्रायः कुछ लोग यह शंका करते हैं कि श्राद्ध में समर्पित की गई वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है? कर्मों की भिन्नता के कारण मरने के बाद गतियां भी भिन्न-भिन्न होती हैं- कोई देवता, कोई पितर, कोई प्रेत, कोई हाथी, कोई चींटी, कोई वृक्ष और कोई तृण बन जाता है। तब मन में यह शंका होती है कि छोटे से पिण्ड से अलग-अलग योनियों में पितरों को तुति कैसे मिलती है? इस शंका का स्कन्दपुराण में बहुत सुन्दर समाधान मिलता है। एक बार राजा करन्धम ने महायोगी महाकाल से पूछा च्मन्युनों द्वारा पितरों के लिए जो तर्पण या पिण्डदान किया जाता है तो वह जल, पिण्ड आदि तो यहीं रह जाता है फिर पितरों के पास वे वस्तुतु कैसे पहुंचती हैं और कैसे पितरों को तुति होती है? भगवान महाकाल ने बताया कि विश्व

सूक्ष्म शरीर में पांच तन्मात्राएं, मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति- इन नी तत्व होते हैं और इसके भीतर दसवें तत्व के रूप में साक्षात् भगवान पुरुषोत्तम उसमें आत्मा के रूप में, निवास करते हैं। इसलिए प्रकृति के देवता, जो आकाश व अग्नि तत्व के होते हैं, शब्दतन्त्र में रहते हैं और स्पर्शतत्व को ग्रहण करते हैं। देवलोक के देवताओं व पितरों के शरीर में वायु तत्व भी होता है, अतः से गन्ध व रसतत्व से तुप्त होते हैं। पवित्रता से भी ये प्रसन्न होते हैं और वर देते हैं। जैसे मनुष्यों का आहार अन्न है, पशुओं का आहार तृण है, वैसे ही पितरों का आहार अन्न का सार-तत्त्व (गंध और रस) है। अतः वे अन्न व जल का सारतत्व ही ग्रहण करते हैं। शेष जो स्थूल वस्तु है, वह यहीं रह जाती है।

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नाम व गोत्र के उच्चारण के साथ जो अन्न-जल, द्रव्य आदि पितरों को दिया जाता है, विश्वेदेव एवं अग्निध्यात (दिव्य पितर) हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचा देते हैं। यदि पितर देवयोनि को प्राप्त हुए हैं तो वहॉ दिया गया अन्न उन्हें अमृत होकर प्राप्त होता है। यदि गन्धर्व बन गए हैं तो वह अन्न उन्हें भोगों के रूप में प्राप्त होता है। शेष में स्थूल रूप धारण कर, यदि पशुयोनि में हैं तो वह अन्न तृण के रूप में प्राप्त होता है। नागयोनि में वायुरूप से, हथ्योनि में पानरूप से, राक्षसयोनि में आमिषरूप में, दानवयोनि में मांसरूप में, प्रेतयोनि में रुधिररूप में और मनुष्य बन जाने पर भोगने योग्य तृप्तिकारक

सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द- जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रांति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श व जाँच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध है। हृदय की एक-एक धड़कन महत्वपूर्ण है। इसलिए डॉट मिस ए बीट थीम के साथ इस बार हृदय संबंधी रोगों को लेकर जन-जागरूकता को और फैलाएं। (लेखक- ऋतुपर्ण दवे)

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम



की अद्भुत क्षमता के लिए जानी जाती हैं।आज का सिनेमा भले ही 4थ और 3ड तकनीक से लैस हो चुका हो, लेकिन इस तकनीकी शोर में कहीं न कहीं वह जादूई सिनेमा की कला कुछ मद्धम हुई है। मूक फिल्म दिवस हमें याद दिलाता है कि दादासाहेब फालके ने जब 1913 में राजा हरिश्चंद्र बनाई थी, तो वह कला का सबसे शुद्ध रूप था। आज के कलाकारों को यह समझने की जरूरत है कि सिनेमा बुनियादी तौर पर एक दृश्य माध्यम है। जब तक कैमरे के सामने बैठा कलाकार अपनी खामोशी और एक्सप्रेसशनस से दर्शक को बांधने का हुनर नहीं सीखता, तब तक भारी-भरकम संवाद भी बेअसर साबित होते हैं क्योंकि भाव ही सिनेमा की असल पहचान है।

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक) (लेखक स्तंभकार हैं)

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम गांवों की चौपाल से देश के विकास तक पहुंचती प्रधानमंत्री की आवाज

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण ‘मन की बात’ को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।‘मन की बात’ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए।जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदानी कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा।स्वच्छता का विषय भी ‘मन की बात’ में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है। (लेखक - कांतिलाल मांडोट)

स्थानीय नागरिकों के अनुसार सोहागपुर की सड़कों पर रात-दिन दौड़ते ओवरलोड रेत ट्रैक्टरों की गतिविधियां कई जगह सीसीटीवी कैमरों में भी रिकॉर्ड हैं। इसके पुख्ता साक्ष्य व तस्वीरें मौजूद होने के बावजूद खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस की चुप्पी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आईसीसी का अनोखा नियम: क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम?



नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट फैस इस समय रोमांचक के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमें विभिन्न अंतराष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती हैं। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमें अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमों नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए, जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमें हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमें एक ही



विराट कोहली ने शतक और 15 हजार वनडे रन के बाद करियर, फिटनेस और युवाओं पर की खुलकर बात

बोले -फ्री माइंड के लिए फिट शरीर जरूरी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाने के साथ 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले विराट कोहली ने अपने करियर, फिटनेस, मानसिक तैयारी, युवा खिलाड़ियों और शुभमन गिल के साथ साझेदारी को लेकर खुलकर बात की। कोहली इस आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां कभी

उनके लक्ष्य का हिस्सा नहीं रही और उनका ध्यान हमेशा परिस्थितियों को समझकर टीम के लिए योगदान देने पर रहा है। 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रिकॉर्ड के बारे में सोचकर बल्लेबाजी नहीं की। उनका पूरा ध्यान स्थिति के मुताबिक टीम के लिए अपना काम करने पर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियां अपने आप आती हैं और इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने तथा इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। कोहली ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी



मेहनत और मिले अवसरों के लिए ईश्वर के प्रति आभार को दिया। अपनी निरंतरता के बारे में कोहली ने कहा कि खेल की समझ के साथ इस उम्र और करियर के पड़ाव पर फिटनेस भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि मानसिक रूप से तरोताजा रहना और वर्तमान ध्यान केंद्रित करना उनके लिए जरूरी है। कोहली ने बताया कि वह अपने खेल में एक-दो गियर ऊपर जाने की चुनौती पर काम कर रहे हैं

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

बेहतर रैंकिंग के आधार मिला अंतिम चार का टिकट



नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्रांतर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्रांतर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय

9:30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया? इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां

रंग संभार

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने



बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर ने केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश किया है। टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर साक्षी तंवर ने अक्टूबर 2018 में, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, नौ महीने की एक बच्ची को गोद लिया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दिया रखा, जिसका अर्थ है प्रार्थनाओं का जवाब या देवी लक्ष्मी का एक रूप। जब उन्होंने दिया को गोद लिया, तब वह 45 साल की थीं और उन्होंने इस फैसले को अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और महत्वपूर्ण मोड़ बताया था। यह कदम दर्शाता है कि मातृत्व के लिए पारंपरिक विवाह की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक बंधन है। साक्षी ने कभी यह नहीं कहा कि वह शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना ​​रहा है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बितावे का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना ​​है कि शादी जबदस्तगी या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज से पढ़ाई की और आईएएस की तैयारी भी की। उस दौरान अपने खर्चों के लिए उन्होंने एक होटल में प्रशिक्षु के तौर पर भी काम किया था। उनका अभिनय की दुनिया में आना किसी योजना का हिस्सा नहीं था।

लस्ट स्टोरीज़ 3 में पेश की ससुर के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 में अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपने प्रदर्शन के लिए मिल रहे अपार प्यार का आनंद ले रही हैं। अदिति ने फिल्म में साथरा के रूप में न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पढ़ें पर उतारती हैं, बल्कि गजराज राव द्वारा



निभाए गए अपने ऑन-स्क्रीन ससुर के साथ भावनात्मक तस्वीर भी दर्शाती है। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक मार्मिक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पढ़ें पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। अदिति ने बताया, चूंको कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया।जवह आगे कहती हैं, च्कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा

प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है।ज अदिति के अनुसार, यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहाँ इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि एक लड़की का अपनी कला के लिए अपना साहस तलाश पाना, यह भी बेहद अद्भुत है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत

है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। अदिति मानती हैं कि लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है.



सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया, तो क्या बड़ी बात है: गोविंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने अपने उपर लग रहे आरोपों पर खुलकर बात की। गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके इस दौर को लेकर हो रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ गया था और फिल्म हिट हुई थी। मैं रवीना टंडन के साथ गया था और मेरी फिल्म हिट हुई थी। यह मेरे लिए गुड लक है। लंबे समय बाद फिर से काम की शुरुआत कर रहा हूँ, इसलिए मैंने अपनी सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। इसमें क्या बड़ी बात है? क्यों इतनी बातें हो रही हैं? उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि वह इन दर्शनों को अपने लिए एक शुभ संकेत मानते हैं। एक तरफ गोविंदा लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उनके बेटे यशवर्धन आहुजा भी बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यशवर्धन फिल्म ह्रीरो की हॉरइड्स से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने जा रहे हैं। यह फिल्म 7 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस



फिल्म में यशवर्धन के अलावा सुनीता आहुजा, नितांशी गोयल, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बिजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह गोविंदा और उनके परिवार के लिए एक रोमांचक समय है, जहाँ वे एक साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। गोविंदा ने अपनी



सुनील पाल का सलमान पर हमला

मुंबई, यशभारत। कॉमेडियन सुनील पाल ने हाल ही में सलमान खान द्वारा बिग बांस 20 के वीकेड का वार एपिसोड में ट्रोलर्स को फटकार लगाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सुनील पाल ने सलमान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें स्टार बनाने में जनता का बड़ा योगदान है, और उन्हें ऐसे शो की मेजबानी छोड़ देनी चाहिए। सुनील ने सलमान से बिग बांस शो को बंद करने की अपील की, इसे गटर शो तक कह डाला। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस रियलिटी शो का समाज पर गलत प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि इसमें एक से बढ़कर एक कांड करने वाले लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं। सुनील ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ट्रोलिंग का समर्थन नहीं करते, लेकिन उनका मानना ​​है कि किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखना गलत नहीं है, बशर्ते उस सही और मर्यादित तरीके से व्यक्त किया जाए।

अनीत और अहान की डेटिंग की चर्चा

अभिनेत्री अनीत पड्डा और अभिनेता अहान पांडे एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों तब तेज हो गईं, जब प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं तलाश लीं। वर्ष 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सैया' में दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही दोनों कलाकारों को लेकर डेटिंग की अटकलें लगती रही हैं। अनीत पड्डा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं।

आने वाली योजनाओं के बारे में और दिगज कलाकार अनुपम खेर के साथ अपने अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने रियलिटी शो में अपनी संभावित भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। गोविंदा ने अनुपम खेर के अभिनय की जमकर तारीफ की। अनुपम खेर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंदा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इम्प्रोवाइजेशन, अभिनय और नृत्य में कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोविंदा ने कहा, अनुपम खेर देश के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उनके साथ काम करते समय मुझे दूसरास हुआ कि वह कितने सरल, सहज और जमीनी इंसान हैं। वह हमेशा हमसरा के बारे में सोचते हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी काम को शूटिंग के बाद और बेहतर बनाया जा सकता था, तो वह खुद फोन करके उस पर बात करते हैं। यह टिप्पणी अनुपम खेर के साथ उनके गहरे सम्मान और व्यावसायिक रिश्ते को दर्शाती है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि गोविंदा किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं।

